अनुक्रमांक .	.. मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 12

नाम.....	....

901

801 (AE)

2017

हिन्दी

केवल प्रश्न-पत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]	*[पूर्णांक : 70*

निर्देश : *प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।*

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई ***एक*** कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए : 1

(i) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी नाटककार के रूप में प्रसिद्ध हैं ।

(ii) 'अजातशत्रु' के लेखक उदयशंकर भट्ट हैं ।

(iii) 'शेखर : एक जीवनी' अज्ञेय की कृति है ।

(iv) राजेन्द्र यादव शुक्ल-युग के प्रसिद्ध कहानीकार हैं ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी ***एक*** रचना के लेखक का नाम लिखिए : 1

(i) अथाह सागर

(ii) ठूँठा आम

(iii) रेती के फूल

(iv) जनमेजय का नागयज्ञ

(ग) 'गिरती दीवारें' किस विधा की रचना है ? 1

(घ) किसी एक एकांकीकार का नाम लिखिए । 1

(ङ) डायरी-विधा के लेखकों में से किसी एक लेखक का नाम लिखिए । 1

2. (क) घनानन्द किस युग के कवि हैं ? उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए । 2

(ख) नयी कविता के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए । 2

(ग) निम्नलिखित रचनाओं मे से किसी ***एक*** रचना के रचनाकार का नाम लिखिए : 1

(i) चिदम्बरा

(ii) पलाशवन

(iii) हिमतरंगिणी

(iv) झरना

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2+2=6*

(क) ज़हाँ बेरहमी है वहीं दया का भी समुद्र उमड़ पड़ा है, जहाँ पाप है वहीं क्षमा का सोता फूट पड़ा है । राजा और कँगले, विलासी और भिक्षु, नर और नारी, मनुष्य और पशु सभी कलाकार के हाथों सिरजते चले गए हैं । हैवान की हैवानी को इन्सान की इन्सानियत से कैसे जीता जा सकता है, कोई अजन्ता में जाकर देखे । बुद्ध का जीवन हजार धाराओं में होकर बहता है । जन्म से लेकर निर्वाण तक उनके जीवन की प्रधान घटनाएँ कुछ ऐसे लिख दी गई हैं कि आँखें अटक जाती हैं, हटने का नाम नहीं लेतीं ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) कलाकारों ने किसके जीवन का चित्रांकन किया है ?

(ख) जहाँ-जहाँ हमारे नैतिक सिद्धान्तों का वर्णन आया है, अहिंसा को ही उनमें मुख्य स्थान दिया गया है । अहिंसा का दूसरा नाम या दूसरा रूप त्याग है और हिंसा का दूसरा रूप या दूसरा नाम स्वार्थ है, जो प्रायः भोग के रूप में हमारे सामने आता है । पर हमारी सभ्यता ने तो भोग भी त्याग ही से निकाला है और भोग भी त्याग में ही पाया है । श्रुति कहती है – 'तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः' । इसी के द्वारा हम व्यक्ति-व्यक्ति के बीच का विरोध, व्यक्ति और समाज के बीच का विरोध, समाज और समाज के बीच का विरोध, देश और देश के बीच के विरोध को मिटाना चाहते हैं । हमारी नैतिक चेतना इसी तत्त्व से ओत-प्रोत है ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) स्वार्थ के क्या-क्या दुष्परिणाम होते हैं ?

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी *एक* की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए तथा काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : *1+4+1=6*

(क) ऊधौ मोंहिं ब्रज बिसरत नाहीं ।
बृन्दावन गोकुल वन उपवन,
सघन कुंज की छाँहीं ।।
प्रात समय माता जसुमति अरु
नंद देखि सुख पावत ।
माखन रोटी दह्यौ सजायौ,
अति हित साथ खवावत ।।
गोपी ग्वाल बाल संग खेलत,
सब दिन हँसत सिरात ।
सूरदास धनि-धनि ब्रजवासी,
जिनसौं हित जदु-जात ।।

(ख) जब तक साथ एक भी दम हो,
हो अवशिष्ट एक भी धड़कन ।
रखो आत्म गौरव से ऊँची,
पलकें, ऊँचा सिर, ऊँचा मन ।।
एक बूँद भी रक्त शेष हो,
जब तक तन में हे शत्रुंजय !
दीन वचन मुख से न उचारो,
मानो नहीं मृत्यु का भी भय ।।

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी *एक* लेखक का जीवन-परिचय दीजिए और उसकी किसी *एक* रचना का नाम लिखिए : *2+1=3*

(i) पदुमलाल पुन्नालाल बख़्शी
(ii) रामचन्द्र शुक्ल
(iii) जयप्रकाश भारती

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी *एक* कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उसकी *एक* रचना का नाम लिखिए : *2+1=3*

(i) केदारनाथ सिंह
(ii) रसखान
(iii) माखनलाल चतुर्वेदी

6. निम्नलिखित का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : *1+3=4*

नागरिक: बहुकालं यावत् अचिन्तयत्, परं प्रहेलिकाया: उत्तरम् दातुं समर्थ: न अभवत्, अत: ग्रामीणं अवदत्, अहम् अस्या: प्रहेलिकाया: उत्तरम् न जानामि । इदं श्रुत्वा ग्रामीण: अकथयत्, यदि भवान् उत्तरम् न जानाति, तर्हि ददातु दशरुप्यकाणि । अत: म्लानमुखेन नागरिकेण समयानुसारेण दशरुप्यकाणि दत्तानि ।

अथवा

बन्धनम् मरणम् वापि, जयो वापि पराजय: ।
उभयत्र समो वीर:, वीरभावो हि वीरता ।।

7. (क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो । 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** के उत्तर संस्कृत में दीजिए : *1+1=2*

(i) प्रतिकशाघातपश्चात् चन्द्रशेखरः किम् अकथयत् ?

(ii) लाभेन किं वर्धते ?

(iii) भारतीया संस्कृतिः कीदृशी वर्तते ?

(iv) खात् उच्चतरं किं अस्ति ?

8. (क) निम्नलिखित में प्रयुक्त रस को पहचानकर लिखिए : 2

शोक विकल सब रोवहिं रानी ।
रूप राशि बल तेज बखानी ।।

(ख) उत्प्रेक्षा **अथवा** उपमा अलंकार का लक्षण और उदाहरण दीजिए । 2

(ग) रोला **अथवा** सोरठा का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 2

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं ***तीन*** के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : *1+1+1=3*

(i) अप

(ii) प्र

(iii) अ

(iv) अन्

(v) अधि

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : *1+1=2*

(i) हट

(ii) आई

(iii) वट

(iv) त्व

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** के समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए : *1+1=2*

(i) आना-जाना

(ii) कृष्णसर्प

(iii) षट्कोण

(iv) त्रिपुरारि

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** के तत्सम रूप लिखिए : 1+1=2

(i) माटी

(ii) गधा

(iii) धीरज

(iv) कंगन

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1+1=2

(i) शिव

(ii) घोड़ा

(iii) तालाब

(iv) फूल

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** में सन्धि-विच्छेद कीजिए और सन्धि का नाम लिखिए : 1+1=2

(i) प्रत्येकम्

(ii) स्वागतम्

(iii) तथैव

(iv) महौजः

(ख) निम्नलिखित शब्दों के सप्तमी विभक्ति एकवचन के रूप लिखिए : 1+1=2

(i) नदी **अथवा** मधु

(ii) युष्मद् **अथवा** तद् (पुंल्लिङ्ग)

(ग) निम्नलिखित में से किसी ***एक*** की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए : 2

(i) हसेयुः

(ii) पठिष्यति

(iii) अपचत्

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं ***दो*** के संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2

(i) योग स्वास्थ्य के लिए हितकर है ।

(ii) बड़ों का सम्मान करो ।

(iii) बालक सीढ़ी से गिर गया ।

(iv) लोभ पाप का कारण है ।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

(i) भारतीय किसान और उसकी समस्याएँ

(ii) मेरा प्रिय खेल

(iii) शिक्षा और संस्कार

(iv) सड़क-दुर्घटनाएँ और उनका निवारण

(v) संत कबीर दास

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर दीजिए : *3*

(क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्रांकन कीजिए ।

(ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य का कथा-सार लिखिए ।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर अशोक के चरित्र का संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के पूर्वाभास सर्ग का कथानक लिखिए ।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(घ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के दौलत सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए ।

P.T.O.

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाष का चरित्रांकन कीजिए ।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर आज़ाद की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण के जीवन में घटी प्रमुख घटनाएँ संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्रांकन कीजिए ।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' के चतुर्थ सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर कौशल्या के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए ।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर मेघनाद का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'युद्धासन्न सौमित्रि' खण्ड की कथा संक्षेप में लिखिए ।

 5,70,000